डीएवीवी • आधुनिक लैब, लाइब्रेरी के साथ नए डिग्री और एडवांस डिप्लोमा कोर्स भी शुरू होंगे

कौशल विकास केंद्र का होगा विस्तार, शुरू होगी स्किल ऑन व्हील सेवा, बताएंगे कहां-कैसे मिलेगा रोजगार

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के कौशल विकास केंद्र (स्किल डेवलपमेंट सेंटर) का आने वाले समय में विस्तार होगा। इसका न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर बदलेगा, बल्कि डिमांड के अनुसार नए डिग्री, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा और पीजी डिग्री कोर्स शुरू होंगे। तीन साल में डीएवीवी का यह केंद्र हाईटेक नजर आएगा। फिलहाल, यहां बीवोक-एमवोक के छह और दस से ज्यादा शॉर्ट टर्म कोर्स चल रहे हैं। अब इनकी संख्या में दोगुना तक इजाफा होगा। केंद्र में फिलहाल लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के 80 कम्प्यूटर हैं। इनकी संख्या तीन गुना तक बढ़ाई जाएगी। फिलहाल कौशल विकास केंद्र में आठ क्लास रूम हैं। एक डिजाइन लैब है। एक 100 छात्रों की क्षमता का सेमिनार रूम है। हाईटेक आईटी लैब भी है। आईटी लैब में 35 और डिजाइन लैब में 15 कम्प्यूटर हैं। संस्थान की सबसे बड़ी खासियत फूड साइंस लैब है। भविष्य में इसका भी विस्तार किया जाएगा। करीब पांच नए लैब, हाईटेक ई-लाइब्रेरी और लगभग पांच से छह नए क्लासरूम बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

डिमांड के अनुसार शुरू होंगे 15 दिन से 90 दिन तक के सर्टिफिकेट कोर्स

यूनिवर्सिटी इस सेंटर में इंडस्ट्री की डिमांड के अनुसार हर साल 15 से 90 दिन के सर्टिफिकेट कोर्स चलाएगी। फिलहाल दस कोर्स चल रहे हैं, लेकिन जिन-जिन क्षेत्रों में जिस स्किल के युवाओं की डिमांड बढ़ेगी, वह कोर्स शुरू होंगे। इन कोर्स के जरिये छात्रों को न केवल छोटे स्तर पर स्टार्टअप शुरू करने का मौका मिलेगा, बल्कि हाथों-हाथ रोजगार भी मिलेंगे। मोबाइल सुधार, कम्प्यूटर नेटवर्किंग, वेबसाइट डिजाइन से लेकर 200 से ज्यादा स्किल ओरिएंटेड कोर्स शुरू होंगे। संस्था की हेड डॉ. माया इंगले का कहना है कि कौशल विकास केंद्र को हम हर उस स्किल से जोड़ेंगे, जिसकी डिमांड लगातार बढ़ रही है। केंद्र के विस्तार का प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। यह पूरी तरह स्किल बेस्ड कोर्स आधारित है, इसलिए बहुत सी हाईटेक सुविधाएं जुटाएंगे। कुलपति डॉ. रेणु जैन से चर्चा कर इस पर आगे काम करेंगे।

बीवोक-एमवोक कोर्स में डिग्री से पहले तीन विकल्प

फिलहाल कार्गो मैनेजमेंट सहित कुल छह विषय में बीवोक-एमवोक कोर्स चल रहे हैं। इंडस्ट्री, कंपनियों की डिमांड और विशेषज्ञों से सुझाव के आधार पर अब आने वाले दो साल में करीब 8 से 10 नए कोर्स शुरू होंगे। इन कोर्स की खासियत यह है कि छह माह में कोर्स छोड़ने पर सर्टिफिकेट, सालभर में छोड़ने पर डिप्लोमा और दो साल में कोर्स छोड़ने पर एडवांस डिप्लोमा मिलता है, जबकि तीन साल का कोर्स पूरा होने पर डिग्री मिलती है।

गांव-गांव जाकर युवाओं को जागरूक करेगी स्किल वैन

कौशल विकास केंद्र बेहद जल्द स्किल ऑन व्हील सेवा शुरू करने जा रहा है। यह हाईटेक स्किल वैन गांव-गांव जाएगी और युवाओं को स्किल बेस्ड कोर्सेस की जानकारी देगी। एजुकेशन लोन, बीवोक कोर्स, स्किल ओरिएंटेड सर्टिफिकेट कोर्स की जानकारी दी जाएगी। यही नहीं महिलाओं को अच्छी सेहत की जानकारी देने के अलावा उन्हें हेल्थ के प्रति जागरूक रहने के भी टिप्स दिए जाएंगे। युवाओं को एथिक्स, अवेयरनेस और स्किल से जोड़ने के लिए इस वैन के जरिये काम होगा।

इन बिंदुओं पर देंगे जानकारी

- गांवों में युवाओं को सोलर एनर्जी (सोलर पैनल लगवाने) और रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के टिप्स देकर उसके प्रति जागरूक किया जाएगा। उसमें स्टार्टअप के बारे में भी बताया जाएगा।
- ग्रामीण क्षेत्र की युवतियों को न्यूट्रीशियन, ब्यूटीशियन के टिप्स दिए जाएंगे।
- पूरे प्रदेश में चलने वाले स्किल ओरिएंटेड कोर्स, गांव में रहकर ही किए जा सकने वाले ऑनलाइन कोर्स की जानकारी दी जाएगी।
- कोई भी एक स्किल से जुड़कर कैसे खुद का रोजगार शुरू कर सकते हैं, यह सब बताया जाएगा।

भास्कर एक्सपर्ट

डॉ. एके सिंह
हेड, ईएमआरसी, डीएवीवी

हर साल एक सर्टिफिकेट कोर्स, जॉब भी पक्की

बीए, बीकॉम और बीएससी जैसे परंपरागत कोर्स के छात्रों के लिए स्वयं पोर्टल पर चल रहे सर्टिफिकेट कोर्स, जॉब में बेहद मददगार साबित हो रहे हैं। प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष तक हर साल एक सर्टिफिकेट कोर्स न केवल 100 प्रतिशत जॉब गारंटी का कारण बन रहे हैं, बल्कि स्टार्टअप में भी मददगार हो रहे हैं। अब तो पास आउट छात्र भी स्वयं पोर्टल पर चल रहे अलग-अलग सर्टिफिकेट कोर्स में रुचि ले रहे हैं। पोर्टल पर रजिस्टर्ड होते ही न केवल मुफ्त में स्टडी मटेरियल उपलब्ध है, बल्कि न्यूनतम फीस पर एग्जाम देने और पास होकर सर्टिफिकेट पाने का भी विकल्प है। टेली, रिटेल मार्केटिंग, डिजिटल मार्केटिंग, साइबर फॉरेंसिक, साइबर सिक्युरिटी, कम्प्यूटर नेटवर्किंग सहित जॉब और स्टार्टअप से जुड़े 200 से ज्यादा कोर्स ऑनलाइन उपलब्ध हैं। छात्रों को इन्हें गंभीरता से करना चाहिए।

आज आएगी पीएचडी की फाइनल आंसर-की, रिजल्ट अगले सप्ताह

डीएवीवी: रिजल्ट आने के बाद कोर्स वर्क की प्रक्रिया होगी शुरू, परीक्षार्थियों को गाइड से लेना होगी लिखित अनुमति

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की पीएचडी प्रवेश परीक्षा की फाइनल आंसर-की गुरुवार को अपलोड हो जाएगी। इसके बाद सप्ताहभर के भीतर रिजल्ट भी जारी हो जाएगा। यूनिवर्सिटी की कोशिश है कि रिजल्ट अगले हफ्ते की शुरुआत में ही घोषित हो जाए। 22 दिसंबर को एमफिल-पीएचडी की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। पहले यूनिवर्सिटी ने इसकी मॉडल आंसर-की जारी की थी, इसके खिलाफ 11 विषयों में 41 आपत्तियां आई थी। उनका निराकरण कर दिया गया है। अब यूनिवर्सिटी फाइनल आंसर-की जारी कर रही है। इसके आधार पर ही मूल्यांकन होगा। रिजल्ट घोषित होने के बाद चयनित परीक्षार्थियों को गाइड से लिखित में अनुमति लेना होगी। हालांकि सीटों से ज्यादा परीक्षार्थी चयनित होने पर ज्यादा अंक वाले परीक्षार्थी को मौका मिलेगा। सीटों के अलॉटमेंट के बाद कोर्स वर्क की प्रक्रिया शुरू होगी। छात्रों को छह माह का कोर्स वर्क अनिवार्य करना होगा।

कई कोर्स में एक या दो ही सीटें, कई में 20 से ज्यादा

हालांकि कई विषयों में पीएचडी की सीटें बेहद कम हैं। कई विषयों में सीटों की संख्या ज्यादा है। सबसे कम सीटें जर्नलिज्म में एक और लॉ में दो हैं, जबकि मैनेजमेंट और कॉमर्स में सीटों की संख्या 50 के आसपास है। इसके अलावा एजुकेशन, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और अन्य विषयों में भी सीटें 20 से ज्यादा हैं। फिलहाल फाइनल आंसर-की जारी होने के बाद मूल्यांकन शुरू होगा।

राज एक्सप्रेस 2|1|2015

डीएविवि ने फिर बदला एमबीए परीक्षा का पेपर

इंदौर (आरएनएन)। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी द्वारा एमबीए के पहले सेमेस्टर की 2 जनवरी 2020 वाला पेपर अब 23 जनवरी को लिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिस ऑफ मैनेजमेंट वाला ये पेपर एमबीए पूर्णकालिक के पहले सेमेस्टर का है जिसके समय में परिवर्तन किया गया है। वहीं बीएएमएस के दूसरे वर्ष न्यू पाठ्यक्रम के विषय अंगद तंत्र व्यवहार आयुर्वेद विधि के परीक्षार्थियों की परीक्षाएं जनवरी में संभावित है। इसके लिए यूनिवर्सिटी ने सामान्य शुल्क में 8 जनवरी तक औ विलंब शुल्क 100 रुपए के साथ 9 जनवरी तक आवेदन करने का मौका दिया है। इसके बाद कुलपति की विशेष अनुमति से 10 जनवरी तक विलंब शुल्क 750 रुपए के साथ भी आवेदन करने का मौका रहेगा।

अतिथि विद्वानों को विकल्प भरने का अवसर 9 से 16 तक

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सभी सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों को अतिथि विद्वान आमंत्रण प्रक्रिया के अंतर्गत निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें बताया गया है कि अतिथि विद्वानों के लिए पूर्व में जारी कैलेंडर में संशोधन करते हुए नए निर्देश जारी किए गए हैं। इसके मुताबिक 31 दिसंबर तक रिक्तियों का अपडेशन होने क बाद अब एडी द्वारा इन रिक्तियों का प्रमाणीकरण 2 से 6 जनवरी तक किया जाएगा, जबकि पहले यह काम 25 से 28 दिसंबर तक निर्धारित था। इसी क्रम में अतिथि विद्वानों को विकल्प भरने का अवसर 9 से 16 जनवरी तक मिलेगा।